अध्यक्ष महोदय

20 MAR 2002 असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग १—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

वि० स० मु० (एल० ए०) 115—मोनो—500—10-3-2000—

तारांकित प्रश्न संख्या -6

। व्यवधान ।

श्री जगदानन्द सिंह ।मंत्री।: ।।। उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है । यह सही है कि गया जिनान्तर्गत वरसौना ग्राम के समीप हावड़ा- गया रेलवे लाईन पर 5 यादवों की हत्या कर फेंक दी गयी थी । इस संबंध में धनेश्वरी देवी, पति मृतक ब्रज किशोर यादव द्वारा अज्ञात अपराधियों के विरूद्ध बजीरगंज थाना कांड सं0 94/2001 दिनांक 16.7.01 दर्ज किया गया है । मृतक परिजनों द्वारा न तो हत्या करनेवाले किसी भी अपराधियों का नाम बताया गया है और न ही किसी पर शक व्यक्त किया गया है। किये जा रहे अनुसंधान के क्रम में अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु हर संभव प्रयास किया जा रहा है ।

।2। मृतकों के आश्रितों को नौकरी मुआवजा के संबंध में जिलाधिकारी, गया को विभागीय परिपत्र सं0 25/ती दिनांक 12.1.01 के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई हेतु निदेश दिया जा चुका है ।

अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु सघन छापामारी के लिए थाना प्रभारी, फतेहपुर, मुफस्सिल, बजीरगंज एवं तनकुपा थाना का संयुक्त टास्कफोर्स गठित कर गिरफ्तारी हेतु हर संभव प्रयास किया जा रहा है ।

श्री विनोद कुमार यादवेन्दु: महोदय, सिर्फ रिपोर्ट भेजा गया है । उस कांड का एक हत्यारा दूसरे अपहरण कांड में पकड़ा गया है और उसने स्वीकार किया है कि उसने अपहरण किया है लेकिन अभी तक हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं हुई है ।

पांच यादवों की हत्या को अगर सरकार नर-संहार मानती है, तो, सरकार कबतक नौकरी और मुआवजा देना चाहती है ?

श्री जगदानन्द सिंह । मंत्री।: महोदय, हमने खंड।2। के उत्तर में बता दिया है कि जो सरकारी प्रावधान है, उसके अनुसार निदेश दिया जा चुका है कि प्रशासन तत्काल मुआवजा आदि का भुगतान करे ।

तारांकित प्रश्न संख्या - 124

श्री अब्दुल बारी सिद्दकी।मंत्री।: ।।। आंशिक रूप से उत्तर स्वीकारात्मक है । इस पथ की कुल लम्बाई 32 कि0 मी0 है जिसमें कि0 मी0 32.31, 30, 29, 28, 27, 26, 25 एवं 24 की स्थिति ठीक है । कि0 मी0 13, 12, 11, 8, 5 एवं 2 में सतह नवीकरण कार्य कराने की कार्य योजना वर्ष 2001-2002 में स्वीकृत थी । परन्तु राशि की अनुपलब्धता के कारण कार्य नहीं कराया जा सका । अगले वित्तीय वर्ष 2002-2003 में राशि की उपलब्धता के आधार पर कार्य कराया जायेगा ।

।2। उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है । बेलहर कटोरिया पथ की

टर्न-32/20.3.02/सिन्हा ।

की कुल लम्बाई 57 कि0 मी0 है जिसमें बेलहर से कटोरिया तक कुल 33 कि0 मी0 की स्थिति ठीक नहीं है । शेष 24 कि0 मी0 पथांश ठीक है । आवागमन चालू है । इस वर्ष 2001-2002 के गैर-योजना कार्य योजना में कुल 18.50 कि0 मी0 में सतह नवीकरण कार्य करने की योजना थी परन्तु राशि की अनुपलब्धता के कारण मरम्मति कार्य नहीं कराया जा सका । अगले वित्तीय वर्ष 2002-2003 में उपलब्ध राशि के आधार पर मरम्मति कार्य कराने का प्रयास किया जायेगा ।

तारांकित प्रश्न-124 का क्रमशः

श्री रामदेव यादव- अध्यक्ष महोदय, मैंने दो सड़कों की चर्चा की है। बेलहर से कटोरिया और बेलहर से बांका । मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यदि सड़कों का टेंडर कर दिया गया और जब राशि उपलब्ध नहीं थी तो टेंडर ही क्यों कराया गया ?

अध्यक्ष- टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो गई थी, राशि के संबंध में ईधर निर्देश गया था जिसके चलते कार्य रुक गया है।

श्री रामदेव यादव- अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि बेलहर-बांका पथ के समीप पथ के दसवें-पन्द्रहवें कि0मी0 को छोड़कर पूरी सड़क कच्ची सड़क में परिणत हो गयी है और शेष सड़क जिसके संबंध में माननीय मंत्री जी ने कहा कि कुछ अंश में इन्होंने टेंडर कराया था , उस अंश का टेंडर क्यों कराया गया जब राशि नहीं थी ? मैं जानना चाहता हूं कि उसमें अधूरा खर्च क्यों किया जाये, आखिर उसमें सरकारी राशि खर्च हुयी है ।

अध्यक्ष- इन सड़कों में निविदायें आमंत्रित की गई हैं। काफी सड़कें अर्थाभाव के कारण रुक गये हैं। आपको पूरक प्रश्न में यह पूछना चाहिए कि जिस पथ का निविदा हो चुका है, क्या मार्च के बाद उन सड़कों पर वित्तीय उपलब्धता के आधार पर काम कराया जायेगा ? यह पूछिये तो सार्थक होगा ।

श्री शंकर प्र0 टेकरीवाल - अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि जब टेंडर निकाले जाते हैं तो राशि की उपलब्धता को ध्यान में रखकर ही टेंडर निकाले जाते हैं। जब टेंडर निकल गया और राशि का बहाना कर रहे हैं तो इसमें इसका क्या औचित्य है ?

श्री अब्दुल बारी सिद्दीकी (मंत्री)- अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री टेकरीवाल जी ने ठीक ही कहा कि राशि की उपलब्धता के आधार पर ही टेंडर निकाले जाते हैं। माननीय सदस्य को मालूम होगा कि केन्द्रीय करों में जो राजस्व की कमी आयी हुई जिसके कारण केन्द्र द्वारा विभिन्न राज्यों को निर्देश दिया गया कि केन्द्रीय करों का आपका जो हिस्सा है उसमें कटौती की जायेगी, उसी के तहत बिहार राज्य में लगभग 12सौ करोड़ रुपये कटौती करने का एक तरह

से निर्देश मिले और उसी के आलोक में जो उपलब्ध राशि थी, उसकी कटौती की गई है ।

श्री शंकर प्रo टेकरीवाल – मैं माननीय मंत्री जी से आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि आपके विभाग में कितना कटौती हुआ। हर जगह अनुपात में कटौती हुआ या खास-खास जगह चुन कर कटौती की गई। इसका औचित्य माननीय मंत्री बतावें ।

अध्यक्ष- मेरे क्षेत्र के सड़कों की भी वही स्थिति है। जो आपके क्षेत्र के सड़कों की स्थिति है ।

श्री अब्दुल बारी सिद्दीकी (मंत्री)- मेरे क्षेत्र में भी कटौती हुई है ।

श्री सुशील कुo मोदी (नेता, विरोधी दल)- पिछले वर्ष 18 हजार करोड़ का बजट था उसमें [illegible] 18 हजार करोड़ में 1200करोड़ की कटौती हुई अर्थात् 8 प्रतिशत और आप उसी 1200करोड़ का रोना रो रहे हैं।।

अध्यक्ष- 1200करोड़ की राशि का नहीं है ।

श्री सुशील कुo मोदी (नेता, विरोधी दल)- इसका कोई औचित्य नहीं है । आप कटौती बतावें। जितना कटौती हुआ उस अनुपात में आपके विभाग में कितनी कटौती हुई और उसका परिमाण क्या हुआ ?

श्री अब्दुल बारी सिद्दीकी (मंत्री)- 1200करोड़ रुपये की कटौती की गई है। इसके अलावे सरकार ने अपना स्टैण्ड बनाया कि जो नन-प्लान हेड का खर्च है उसको इस मार्च तक नहीं करेंगे ।

टर्न-34/मधुप/20.3.2002

श्री शिव वचन यादव : महोदय, जब टेन्डर किया गया और पैसा नहीं मिला तो उस टेन्डर को कैंसिल क्यों नहीं किया गया ताकि मरम्मति का काम उसमें हो पाता ? आज न उसके चलते उस पथ में मरम्मति हो रहा है और न कोई काम हो रहा है । वह बिल्कुल चलने लायक नहीं है । मैं माननीय मंत्री जी से आपके माध्यम से जानना चाहता हूँ कि कबतक टेन्डर को कैंसिल कराकर उस पथ की मरम्मति करायी जायेगी ?

श्री अब्दुल बारी सिद्दकी (मंत्री) : महोदय, विभाग के तरफ से काम रोकने का कहीं भी निर्देश नहीं दिया गया है । जो निविदा है और जो पट्टेदार हैं जिनके साथ एग्रीमेंट हुआ है, उनको निर्धारित अवधि में काम करना था और विभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि उनको पार्ट-पेमेंट नहीं होगा, फिनिश्ड आईटम पर होगा । परन्तु, जो कंट्रेक्टर्स हैं वे खुद समझ रहे हैं कि इस साल पैसा नहीं मिलेगा इसलिए वे काम छोड़ कर भाग गये हैं ।

श्री राजाराम सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूँ..... आपने भी सवाल उठाया था, कि क्या जिन योजनाओं का टेन्डर पिछले वर्ष निकल चुका है जिनको पूरा नहीं कराया गया, हमारा भी एक बेगीनाला पुल की योजना इसमें शामिल है तो उन योजनाओं को इस वर्ष पूरा किया जायेगा ? जिन योजनाओं का वर्त्तमान वित्तीय वर्ष में टेन्डर निकल चुका है उन योजनाओं को पूरा नहीं किया गया तो उसे कबतक पूरा करेंगे, इस वित्तीय वर्ष में पूरा करेंगे ?

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय,.....

अध्यक्ष : पहले राजाराम सिंह जी के प्रश्न का जवाब होने दीजिये ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : मेरा प्रश्न भी उसी से को-रीलेटेड है इसलिए दोनों का मंत्री जी एक ही बार जवाब दे देंगे ।

अध्यक्ष : ठीक है, पूछिये ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : महोदय, 1200 करोड़ रुपये की कटौती की सम्भावना के आधार पर सरकार ने पूरा बजट नहीं लाया है । अमेरिका में हुई घटना के चलते भारत सरकार

को जो कर-राजस्व में कमी हुई उसके कारण जो कटौती होगी, उसके आधार पर बजट लाये हैं ।

महोदय, पिछले साल के बजट में कटौती का कोई प्रश्न नहीं उठता लेकिन ये प्रीकॉशनरी मेजर लिये हैं, यह अलग बहस का विषय हो सकता है लेकिन एक बात मैं पूछना चाहता हूँ कि जो टेन्डर हो गये, टेन्डर की एक प्रक्रिया है, कंट्रैक्टर्स का सिक्यूरिटी मनी जमा होता है, आवंटन का समस्या हो गई, सभी डिवीजन में वर्क्स प्रोग्राम हुआ, वहाँ से इनका इंडीकेशन चला गया, एलॉटमेंट चला गया फिर वहाँ से ट्रेजरी पर रोक लग गया कि कोई भुगतान नहीं होगा । वह कंट्रैक्टर जो वर्क्स प्रोग्राम के अनुसार, टेन्डर के अनुसार एग्रीमेंट करके कार्य प्रारम्भ कर चुका है, 31 मार्च तक निधि की अनुपलब्धता के चलते काम नहीं कर पायेगा तो उसके टेन्डर का क्या होगा ? पहली बात ।

दूसरी बात, अगर निधि की अनुपलब्धता के आधार पर काम नहीं हुआ तो अगर अपने सिक्यूरिटी मनी के लिए कंट्रैक्टर माननीय उच्च न्यायालय में जाता है और सूद की भी माँग करता हो तो वैसी स्थिति में सरकार क्या करेगी ? यह महत्वपूर्ण चीज है । सरकार इसके लिए क्या निर्णय ले रही है ?

श्री अब्दुल बारी सिद्दकी (मंत्री) : महोदय, माननीय सदस्य, श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव जी ने ठीक ही पूछा है । महोदय, इसपर सरकार गम्भीरता से विचार कर रही है कि जो एग्रीमेंट हो गया है उसका कार्यावधि बढ़ा दिया जाय ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : कबतक बढ़ जायेगा ?

अध्यक्ष : उसको अगले वर्ष में करायेंगे ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : सरकार आश्वासन दे कि कबतक आगे बढ़ाइयेगा ?

अध्यक्ष : अब आप बैठ जाइये, वही न हुआ ।